निर्यात और आयात में अत्याधिक अंतर

2380. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के आयात और निर्यात की वृद्धि-दर में प्रति वर्ष के आधार पर भारी अंतर है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान आयात और निर्यात की वृद्धि-दर कितनी थी; और

(ग) इस अंतर को कम करने के लिए सरकार ने क्या प्रयास किए हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के तथा अप्रैल–दिसम्बर, 1992 के दौरान के जिस नवीनतम अवधि के आंकड़े उपलब्ध हैं, भारत के आयात तथा निर्यात में रुपए और डालर के रूप में वृद्धि कमी की दरें नीचे दी गई हैं :—

रुपये के रुप में : **वृद्धि/कमी की दरें**

वर्ष	आयात	निर्यात
1989–90	27.%	36.8%
1990–91	22.0%	17.6%
1991–92	10.8%	36.3%
1992–93 (अप्रैल–दिसम्गर' '92) . . .	38.7%	23.1%

डालर के रुप में : **वृद्धि/कमी की दरें**

वर्ष	आयात	निर्यात
1989–90	9.1%	19.0%
1990–91	13.2%	9.1%
1991–92	–19.4%	–1.5%
1992–93 अप्रैल–दिसम्बर' '92)	16.5%	3.4%

(ग) निर्यात को बढ़ाने के लिए सरकार ने निर्यात तथा आयात के उदारीकरण के लिए जो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं उनमें शामिल हैं : निर्यात संबंध आयात का प्रावधान आयात लाइसेंसों में कमी करना, निर्यात प्रोत्साहनों को मज़बूत करना तथा नीति और प्रक्रियाओं को सरल एवं सुकर बनाकर, प्रक्रियाविषायक कठिनाइयों को दूर करना। वर्ष 1993–94 के बजट में रुपए का पूर्ण परिवर्तनीय लागू की गई तथा निर्यात को बढ़ाने के लिए सीमाशुल्क तथा उत्पाद-शुल्क में कमी की गई है, खासकर कच्चे माल और पूंजीगत सामान पर । इसके अलावा, 34 वस्तुओं को एक्सट्रीम फोकस" सेक्टर के रूप में अभिलात किया गया है जिसका उद्देश्य प्रतिवर्ष मात्रा अथवा मूल्य के रूप में निर्यात में 30% की वृद्धि करना है।